



प्रेस विज्ञप्ति

24/11/2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु आंचलिक कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत विनज़ो गेम्स ऐप के मामले में 18.11.2025 से 22.11.2025 तक दिल्ली और गुड़गांव में चार स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। मेसर्स विनज़ो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड अपने ऐप - विनज़ो के माध्यम से ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेवाओं का व्यवसाय करती है। तलाशी के दौरान, विनज़ो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड का बैंक बैलेंस, बॉन्ड, एफडीआर, म्यूचुअल फंड के रूप में लगभग 505 करोड़ रुपये मूल्य की अपराध आय (पीओसी) को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 (1ए) के तहत फ्रीज कर दिया गया है।

इससे पहले, ईडी ने मेसर्स विनज़ो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। लिमिटेड और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, खातों को ब्लॉक करने, प्रतिरूपण, पैन का दुरुपयोग आदि के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि शिकायतकर्ताओं के केवाईसी का विनज़ो और अन्य द्वारा दुरुपयोग किया गया था, और शिकायतकर्ताओं को विनज़ो और अन्य द्वारा धोखाधड़ी गतिविधियों और धोखाधड़ी के कारण काफी नुकसान हुआ है।

ईडी की जाँच से पता चला है कि विनज़ो कंपनी भारत से (भारतीय इकाई द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उसी प्लेटफॉर्म पर) ब्राज़ील, अमेरिका और जर्मनी जैसे विदेशी देशों में रियल मनी गेम्स (आरएमजी) चला रही है। केंद्र सरकार द्वारा आरएमजी पर प्रतिबंध (22/08/2025 से प्रभावी) के बाद भी, कंपनी के पास अभी भी 43 करोड़ रुपये की राशि है, जो गेमर्स/ग्राहकों को वापस नहीं की गई है।

ईडी की जाँच से यह भी पता चला है कि मेसर्स विनज़ो प्राइवेट लिमिटेड आपराधिक गतिविधियों और बेईमानी में लिप्त थी, यानी ग्राहकों को एल्गोरिदम/सॉफ्टवेयर के साथ खेलने के लिए मजबूर किया जाता था, बिना यह बताए कि वे सॉफ्टवेयर/एल्गोरिदम के साथ खेल रहे हैं, न कि इंसानों के साथ। विनज़ो ने मेसर्स विनज़ो प्राइवेट लिमिटेड के वॉलेट में ग्राहकों द्वारा रखे गए धन की निकासी को भी रोक दिया है/सीमित कर दिया है। मेसर्स विनज़ो प्राइवेट लिमिटेड ने ऐसे एल्गोरिदम/सॉफ्टवेयर के बेईमान उपयोग के माध्यम से वास्तविक ग्राहकों द्वारा लगाई गई और हारी गई शर्त राशि के रूप में पीओसी भी उत्पन्न किया है, जो इकाई द्वारा अपने बैंक खातों में प्राप्त किया जाता है।

ईडी की जाँच से यह भी पता चला है कि वैश्विक संचालन, यानी सभी प्रकार के खेलों (आरएमजी सहित) की मेजबानी, भारत से एक ही ऐप (एप्लिकेशन) और एक ही प्लेटफॉर्म के तहत की जाती है। यह भी पाया गया कि भारतीय इकाई द्वारा विदेशी निवेश की आड़ में धन को अमेरिका और सिंगापुर भेज दिया गया है। 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर (489.90 करोड़ रुपये) की धनराशि अमेरिका में उनके बैंक खाते ('विंज़ो यूएस इंक' के नाम से बैंक खाते) में जमा की गई है, जो एक मुखौटा कंपनी है, क्योंकि सभी संचालन और दैनिक व्यावसायिक गतिविधियाँ, बैंक खातों का संचालन भारत से किया जाता है।

आगे की जाँच जारी है।